श्री गुरुचरणकमलेभ्यो नमः

दीपावली साधनाएं

२-११-२०२१ – ६-११-२०२१

२-११-२०२१ - धन त्रयोदशी

४-११-२०२१ – नरक चतुर्दशी एवं लक्ष्मी पूजन

लक्ष्मी-कुबेर-पूजन-मुहूर्त – ४-११-२०२१

वृषभ लग्न - ६:२२ - ८:२३ (संध्या काल)

सिंह लग्न – १२:४७ - २:५४ (रात्री)

दरिद्रता निवारण साधना:

समय: दीपावली या रविवार को या कार्तिक मास के रविवार |

मंत्र: || ॐ ह्रीं अष्टलक्ष्म्यै दारिद्रय विनाशिनी सर्व सुख समृद्धिं देहि देहि ह्रीं ॐ नमः||

सामाग्री :- मुंगा या हकीक माला और दारिद्रय निवारण बीज(३)

विधान:- साधक या साधिकाये , पूर्व दिशा के ओर बैठे और सामने गुरु चित्र और घी का दीपक लगाकर पंचोपचार का पूजन कर साधना आरंभ करे | अपने सामने तीनो बीज को पोटली बांध ले और उस की पंचोपचार कर मंत्र जप करे। साधना के उपरांत रात्रि को पोटली, नैवेद्य सहित माला को जल में विसर्जित करे |

जप संख्या: ११ माला |

धन त्रयोदशी

अ) कुबेर साधना :

मंत्र: || ॐ यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धन धान्यादि पतये धन धान्य समृद्दिं मे देहि दापय स्वाहा ||

विधान:- साधक या साधिकाये , पूर्व या उत्तर दिशा के ओर बैठे और सामने गुरु चित्र और घी का दीपक लगाकर पंचोपचार का पूजन कर साधना आरंभ करे | कुबेर यंत्र स्थपित कर उसकी पूर्ण पूजन करे | पकवान का भोग लगाये|

सामग्री :- कमल बीज या हकीक माला, कुबेर यंत्र

जप संख्या:11 माला

आ) दक्षिणा वर्ती शंख कल्प साधना :

मंत्र: || ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ब्लुं दक्षिण मुखाय शंखानिधये समुद्र प्रभावय नमः||

विधान:- साधक या साधिकाये , पूर्व दिशा के ओर बैठे और सामने गुरु चित्र लगाकर पंचोपचार का पूजन कर साधना आरंभ करे | शंख की पूर्ण पूज करे ,गो-दूध से अभिषेक कर,चांदि का वरक लगाकर “ श्रीं” अक्षर केसर से लिख ,मंत्र जप करे |

सामग्री :- लक्ष्मी या कुबेर माला, दक्षिणर्ति शंख

जप संख्या:5 माला

इ) दक्षिणा वर्ती शंख साधना :-

स्तोत्र: त्रैलोक्यपूजिते देवी कमले विष्णुवल्लभे |

यथा त्वमचला कृष्णे तथा भव मयि स्थिरा ||

कमला चंचला लक्ष्मीश्चला भूतिर् हरिप्रिया |

पद्मा पद्मालया सम्यगुच्चै: श्रीपद्मधारिणी |

द्वादशैतानि नामानि लक्ष्मी संपूज्य यः पठेत् |

स्थिरा लक्ष्मीर्भवेत्तस्य पुत्रदारादिभिः सह ||

विधान:- इस दिन शंख की पूजा वरक अष्ट गंध आदि से कर दक्षिण लक्ष्मी स्तोत्र का पाठ १०८ बार करे | स्तोत्र का पाठ शाम को भी कर सकते है |

दीपावली साधना:

अ) साधना :- व्यापार वृद्धि के लिए

मंत्र : || ॐ ह्रीं ऐं अष्टलक्ष्म्यै धन धान्य समृद्धिं देहि देहि ऋणमोचन व्यापारोन्नति प्राप्त्यर्थं ह्रीं ऐं महालक्ष्म्यै नमः||

विधान:- साधक या साधिकाये , पीले वस्त्र धारण कर पूर्व/पश्चिम दिशा के ओर बैठे और सामने गुरु चित्र और घी का दीपक लगाकर पंचोपचार का पूजन कर साधना आरंभ करे |

सामग्री :- अष्टलक्ष्मी यंत्र, कमलबीज माला
जप संख्या:५ माला

आ) अष्ट ऐशवर्य प्राप्ती हेतु साधना:-

दीपावली की रात घर मे पूजा स्थान स्वछ कर,मंगल दीप प्रज्वलित करे | गणपती पूजन कर विघ्ननाश की प्रार्थना करे | गुरु पूजन ऐवं कूलदेवता पूजन कर, घर के बडो से अशिर्वाद ले कर लक्ष्मी पूजन आरंभ करे | पूजा स्थाल पर किसी बाजोट पर भाग्योदयकारी एवं लक्ष्मी प्राप्ति यंत्र स्थापना करे | जल आदि से पूजन करे | लक्ष्मी षोडशोपचार पूजन(श्री सूक्त) कर वातावरण शुद-सुगंधित कर प्रसन्नचित्त होकर मंत्र आरंभ करे |

मंत्र:- || ॐ श्रीं महालक्ष्म्यै नमः ||

विधान:- वैजयंती माला से 21 माला जप करे | दूसरे दिन प्रातः काल पुनः कर 16 माला मंत्र जप कर यंत्रो को पूजा स्थान मे रखा दे | भोग मे घर का बना मिठाई पूजन के बाद सभी को वीतरित करे |